भारत सरकार

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 4474

20.03.2020 को उत्तर के लिए

वन्य जीवों पर चक्रवातों का प्रभाव

4474. श्री महेश साहू :

क्या **पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने ओडिशा के तट पर लगातार आने वाले चक्रवातों और वन्यजीवों पर इसके प्रभाव के संबंध में कोई अध्ययन किया है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) ओडिशा के तट पर वन्यजीवों पर चक्रवातों के प्रभाव को कम करने के लिए केन्द्र सरकार और ओडिशा सरकार द्वारा क्या उपाय किए गए हैं?

उत्तर

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री
(श्री बाबुल सुप्रियो)

(क) और (ख) प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) और मुख्य वन्यजीव वार्डन, ओडिशा से प्राप्त सूचना के अनुसार, उन्होंने ओडिशा के तट पर लगातार आने वाले चक्रवातों और वन्यजीवों पर इसके प्रभाव के संबंध में कोई अध्ययन नहीं किया है।

(ग) वन्यजीवों और उनके पर्यावासों का प्रबंधन करना प्राथमिक रूप से संबंधित राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों का होता है। भारत सरकार, राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को विभिन्न कार्यकलाप आरंभ करने के लिए केंद्रीय प्रायोजित स्कीम - ''वन्यजीव पर्यावासों का एकीकृत विकास'' से निधियां प्रदान करती है। प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) और मुख्य वन्यजीव वार्डन, ओडिशा से प्राप्त सूचना के अनुसार, ओडिशा के तट पर आने वाले चक्रवातों के कारण वन्यजीवों पर पड़ने वाले प्रभावों को कम करने के लिए निम्नलिखित उपाय किए गए थे:

i. आवारा वन्य पशुओं को कर्मचारियों द्वारा बचाया गया और उनके पर्यावासों में छोड़ा गया।
ii. चक्रवातों के प्रभाव को कम करने के लिए राज्य के तटीय मंडलों के साथ मिलकर वनीकरण और चरागाह विकास कार्य आरंभ किए गए।
iii. तटीय मंडलों की पारि विकास समितियों को चक्रवातों के दौरान वन्यजीवों की सुरक्षा हेतु संवेदनशील बनाया गया है।
iv. चक्रवातों की अवधि के दौरान वन्यजीवों की सुरक्षा हेतु दस्तों का गठन किया गया है।

*****